राष्ट्रीय सहारा
12/02/2023

कृषकों को दी गई दलहन उत्पादन की तकनीकी जानकारी

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के दलहन अनुभाग के संयोजन में ग्राम सहतावनपुरवा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर कृषकों को जायद दलहन उत्पादन तकनीक की जानकारी दी गई। किसानों को दलहन उत्पादन में वैज्ञानिक तकनीकों को अपना कर अपनी आय बढ़ाने लिए प्रोत्साहित किया गया।

मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों की जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार ने दलहन फसलों-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया। उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण, कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि को लेकर लेकर कृषकों का ज्ञानवर्द्धन किया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से उत्पादन में 25 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। डॉ.अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में बताया।

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

कानपुर, रविवार, 12 फरवरी 2023

किसानों ने जानी मृदा परीक्षण की बारिकियां

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग ने विकासखंड मैथा के सहतावनपुरवा गांव में दलहन गोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें विशेषज्ञ डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई से पहले मृदा परीक्षण की बारिकियां बताई। डॉ. मनोज कटियार ने दलहन फसलों की प्रजातियों के बारे में किसानों को जानकारी दी। साथ ही इनकी पैदावार बढ़ाने के संबंध में भी बताया।उप निदेशक बीज डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसानों को बीज उत्पादन तकनीक व बीज प्रमाणीकरण की सीख दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव, डॉ अशोक कुमार, डॉ हरिश्चंद्र, पूर्व प्रधान डॉ. अमर सिंह, छुन्ना सिंह, चरण सिंह, राजू राजपूत, राम आसरे सहित अन्य लोग रहे।

WORLD खबर EXPRESS
शनिवार 11 फरवरी, 2023 | अंक -287
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD
खबर एक्सप्रेस
www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

मूंग-उर्द उत्पादन तकनीक पर हुआ कृषक प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के म में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम सहतावनपुरवा, विकासखंड मैथा में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे- मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्य म की अध्यक्षता ग्राम के पूर्व प्रधान डॉ. अमर सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्य म में उपस्थित कार्य म अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्य म का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर छुन्ना सिंह, चरण सिंह, राजू राजपूत एवं राम आसरे राजपूत पांडेय निवादा एवं औरंगाबाद सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 17 अंक 42 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 12 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

मूंग-उर्द उत्पादन तकनीक पर हुआ हुआ कृषक प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम सहतावनपुरवा, विकासखंड मैथा में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के पूर्व प्रधान डॉ. अमर सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर छुन्ना सिंह, चरण सिंह, राजू राजपूत एवं राम आसरे राजपूत पांडेय निवादा एवं औरंगाबाद सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

आज
12/02/2023

दलहन उत्पादनों से बढ़ेगी कृषकों की आय

जायद दलहन उत्पादन तकनीक पर हुआ कृषक प्रशिक्षण

संगोष्ठी की जानकारी देते वैज्ञानिक।

कानपुर, 11 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम सहतावनपुरवा, विकासखंड मैथा में एक जायद दलहन संगोष्ठीआयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के पूर्ब प्रधान डॉ. अमर सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर छुन्ना सिंह, चरण सिंह, राजू राजपूत एवं राम आसरे राजपूत पांडेय निवादा एवं औरंगाबाद सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, रविवार, 12 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

चन दिए सुदामा से कहा बटा जब क बार-बार कहन पर द्वारका जात ह लाला सुना आधकारा का निगराना महाना था

उ. प्र. के मध्य मैदानी क्षेत्र में अधिक दलहन उत्पादन द्वारा कृषकों का सशक्तिकरण हेतु जायद दलहन उत्पादन तकनीक पर हुआ कृषक प्रशिक्षण

दि ग्राम टुडे, कानपुर ।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम सहतावनपुरवा, विकासखंड मैथा में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। कृषि

विज्ञान केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के पूर्व प्रधान डॉ. अमर सिंह ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर छुआ सिंह, चरण सिंह, राजू राजपूत एवं राम आसरे राजपूत पांडेय निवादा एवं औरंगाबाद सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।